NEW SOUTH WALES
DEPARTMENT
OF EDUCATION
AND TRAINING

अपने बच्चे के साथ घर पर पठन कर

किशोर बच्चों के माता-पिता तथा अभिभावकों के लिए सुझाव

READING WITH YOUR CHILD AT HOME – IDEAS FOR PARENTS OF YOUNG CHILDREN

पठन आवश्यक है

READING IS IMPORTANT

- पठन सदा ही एक आवश्यक योग्यता रही है। हमारे नए संसार में इसकी जितनी अधिक आवश्यकता अब है पहले कभी नहीं रही है।
- बच्चे जैसे जैसे अपने परिवार के सदस्यों को प्रतिदिन के बहुत से कार्यों को करने के लिए पढ़ने और लिखने का प्रयोग करते हुए देखते हैं वैसे वैसे पठन की आवाश्यकता के बारे में सीखते हैं।
- अपने बच्चे के साथ घर पर पढ़ते रहने से विद्यालय में बच्चे के सीखने के सभी क्षेत्रों में सहायता मिलती है।
- बच्चे आपको प्रतिदिन के जीवन में पढ़ते और लिखते हुए देखते हैं जैसे कि आनंद के लिए पढ़ते हुए, नुस्ख़े के प्रयोग करते हुए, खरीदारी की सूची बनाते हुए, जन्मदिन का संदेश लिखते हुए, या रास्ते के संकेतों को पढ़ते हुए। आप अपने बच्चे को सिखा रहे हैं कि लिखना और पढ़ना आज की दुनिया में कितनी आवश्यक योग्यता है।
- विद्यालय प्रायः मातापिता से कहता है कि घर पर बच्चे को पढ़ते समय स्वयं सुने। पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय या स्थानीय पुस्तकालयों से माँगी जा सकती हैं।
- विश्वसनीय रहिए कि आपका बच्चा पढ़ना सीख ले गा।

सहायता के लिए आप घर पर क्या कर सकते हैं

WHAT YOU CAN DO AT HOME TO HELP

- आप स्वयं को प्रतिदिन के वार्तालापों में बच्चों को अपने साथ सम्मिलित करें ।
- बच्चों के लिए ज़ोर ज़ोर से पढ़ें। यह उन्हें पुस्तकों की भाषा को सीखने में सहायता देती है तथा पुस्तको से आनंद लेने एवं पढ़ने के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित करती है।
- पुस्तकों के बारे में बात करें, मिल कर पढ़ें और पढ़ने को आनंददायी बनाएँ तथा कार्यकलापों में भाग लें।

- यह सुनिश्चित रखें कि आप के बच्चे के लिए घर पर एक वृहद क्षेत्र में कथा साहित्य और साहित्य दोनों में पठन सामग्री है।
- यह अनिवार्य है कि यदि आपकी प्रथम भाषा अँग्रेज़ी नहीं है तो अपने घर की भाषा में अपने बच्चे के लिए पढ़ें। अनुभव यह बताता है कि घर की भाषा का प्रयोग आपके बच्चे को अँग्रेज़ी पढ़ना सीखने में सहायता दे गा।
- प्रयत्न करें कि पढ़ने के समय में दूरदर्शन बाधा न डालने पाए। अपने बच्चे के साथ पढ़ने के लिए बाधाओं से दूर एक विशेष समय निर्धारित करें।
- प्रतिदिन अपने बच्चे को पढ़ते हुए सुनें, चाहे यह थोड़े ही समय के लिए ही हो।
- प्रोत्साहन और भेंट के लिए पुस्तकें दीजिए।

अपने बच्चे को पढ़ते समय सुनने के लिए परोक्ष संकेत (सुझाव)

HINTS FOR LISTENING TO YOUR CHILD READ

- पढ़ने से पहले मुख्य पृष्ठ, शीर्षक एवं चित्रों के बारे में बात करें तथा विचार विमर्श करें कि यह पुस्तक किस बारे में हो सकती है।
- पढ़ने के मध्य अबतक की कहानी पर विचार विमर्श करें और अटकलबाज़ी करने का प्रयत्न करें कि आगे क्या हो गा।
- पढ़ने के बाद कहानी और चित्रों के बारे में बात करें और प्रश्नों को पूछें।
- जब आप मिलकर कठिन पुस्तक पढ़ रहे हों तो बारी बाँधें। प्रारम्भिक पाठक दोहराए जाने वाले भाग को पढ़ सकता है तथा अधिक अनुभवी पाठकगण पूरा अनुच्छेद या एक पृष्ठ को पढ़ सकते हैं।
- एक अपरिचित शब्द मिलने पर:

  दम लें अपने बच्चे को समय देनें के लिए जिससे कि वह शब्द के बारे में कार्य कर सके।

  तुरंत

  - वाक्य के प्रारंभ में वापस जाएँ, या कठिन शब्द के बाद का वाक्य अंत तक पढ़ें।
  - चित्रों या शब्दों द्वारा अनुमान लगाने का प्रयत्न करें।
  - प्रथम अक्षर को देखें और इसके बारे में सोचें कि यह शब्द क्या हो सकता है।
  - पूछिए "क्या यह सही लगता है?"
  - शब्द का उच्चारण कराने का प्रयत्न करिए।
  - यदि आवश्यक हो तो बच्चे को शब्द बताइए।

प्रशंसा करिए अपने बच्चे के प्रयत्न का चाहे उसने ग़लती ही क्यों न की हो।

क्या पढ़ें और करें

WHAT TO READ AND DO

- हर प्रकार की कहानियाँ जिसमें रुचिकर कहानियाँ,परियों की कहानियाँ, चलचित्रों के खँड, स्थानीय समाचारों के भाग तथा परिवारिक इतिहास भी सम्मिलित हों को सुनाएँ और पुनः सुनाएँ।
- खेल खेलें जैसे कि "मैं देख रहा हूँ कुछ जो कि प्रारंभ होता है अक्षर डी से"।
- खाना पकाते समय अपने बच्चे से साथ साथ साधारण नुस्खे को पढ़ने को कहें।
- मनोरंजक चित्रक पुस्तकें, पत्रिकाएँ, लघु कथाएँ, कविताएँ, और संगीत जिसमें बच्चों के गीत भी सम्मिलित हों को पढ़ें।
- आड़े तिरछे शब्द और पहेलियों को मिल कर पढ़ें।
- दूरदर्शन पर कार्यक्रम देखने के पूर्व परिदर्शिका को पढ़ें।
- पत्रपेटिका में आए विज्ञापन को मिल कर पढ़ें।
- बाज़ार जाने में और वाहन चलाते समय निर्देशन और विज्ञापन को पढ़ें।
- परिवार के सदस्यों को पर्ची और पत्र लिखें तथा पढ़ें।
- बोर्ड के खेल मिलजुल कर खेलें तथा उसके नियमों को पढ़ें।
- प्लास्टिक अक्षर, चाक, पेंसिल, क़लम और लिखने का कागज़ प्रदान करें।

और याद रखें.....

AND DO REMEMBER . . .

- कहानियों के अर्थ और शब्दों के बारे में वार्ता करें।
- अपने बच्चों को हर स्थान पर और किसी भी समय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें ।
- अपने बच्चे को ऐसा आभास दें कि आपको पढ़ने में आनंद आ रहा है।
- अपने निकट के पुस्तकालय में जाएँ तथा उसका प्रयोग करें। अपने बच्चे के लिए और अपने लिए पुस्तकें माँग कर लाएँ।
- अपने बच्चे के कक्षाध्यापक से बात करें या आगे सहायता और राय लेने के लिए प्रधानाचार्य से बात करें।
- पढ़ने में आनंद लें। यह भी एक मज़ेदार बात हो गी।

और अधिक सूचना के लिए अपने स्थानीय विद्यालय से संपर्क करें यह जानने के लिए कि आप अपने बच्चे के पुस्तक पढ़ने में किस प्रकार सहायता कर सकते हैं।